

Maharashtra in carrying out its power or irrigation projects;

(b) if so, which are these countries, banks or institutions; and

(c) what is the extent of help they have offered and for which projects?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) No Sir.

(b) and (c). Does not arise.

Representation from Gujarat Power-looms' Association

3512. SHRI S. A. MURUGANANTHAM: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have received a representation from Gujarat Powerlooms' Association in regard to grievances due to the imposition of new excise duty; and

(b) if so, Government's reaction thereto?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH):

(a) Yes, Sir.

(b) Government's reactions will be known only at the time of adoption of the Finance Bill, 1978 by the Parliament.

Export of Manganese Ore

3513. SHRI PRABODH CHANDRA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether manganese ore export has fetched less revenue last year; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH):

(a) No, Sir. Exports during 1975-76

are estimated at Rs. 19.66 crores as against Rs. 18.69 crores during 1974-75.

(b) Does not arise.

भारतीय बैंकर-संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षाओं में हिन्दी का प्रयोग

3514. श्री किरंजीव झा : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय बैंकर संस्थान ने अपनी परीक्षाओं के लिये हिन्दी के बैंकस्तिक माध्यम के रूप में प्रयोग किये जाने का अनुमोदन किया है ;

(ख) यदि हां, तो कब से ; और

(ग) परीक्षा के विभिन्न विषयों के लिए उपयुक्त हिन्दी पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने हेतु क्या प्रयास किये गये हैं ?

राजस्व और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रणव कुमार मुलर्जी) : (क) से (ग). इंडियन बकर्स इंस्टीट्यूट एक स्वशासी निकाय है, जो कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन रजिस्टर्ड एक लाभ कमाने वाली कम्पनी है। यह इंस्टीट्यूट वर्ष में दो बार "एसोशिएट" परीक्षा लेता है। यह "कोम्पापेरेशन" और 'इंडस्ट्रियल फ़ाइनेंस' विषयों में भी हर वर्ष एक बार सर्टीफिकेट परीक्षा लेता है। इस इंस्टीट्यूट के नियमों में यह विहित है कि इसकी परीक्षाओं में दिये गये प्रश्नों के उत्तर केवल अंग्रेजी में होने चाहिए। कुछ उम्मीदवारों ने यह अनुरोध किया है कि उन्हें हिन्दी या उनकी क्षेत्रीय भाषा में उत्तर लिखने की अनुमति दी जाये। इस इंस्टीट्यूट की कठिन सभी पहलुओं पर